

(ग) ठाकुर साहब शाम को आराम कुरसी पर लेट जाते थे ।

(घ) गाड़ी में जगह की बड़ी कमी थी ।

(ङ) ठाकुर साहब क्रोध से लाल हो रहे थे ।

(च) ठाकुर साहब ने बाल-बच्चों को वहाँ से निकालकर दूसरे कमरे में बैठाया ।

- पहले वाक्य में 'पण्डित चन्द्रधर ने', 'एक अपर प्राइमरी में', 'मुदर्सी';
- दूसरे वाक्य में 'पण्डितजी के', 'पड़ोस में';
- तीसरे वाक्य में 'ठाकुर साहब', 'शाम को', 'आराम कुरसी पर';
- चौथे वाक्य में 'गाड़ी में', 'जगह की';
- पांचवें वाक्य में 'ठाकुर साहब', 'क्रोध से';
- छठे वाक्य में 'ठाकुर साहब ने', 'बाल-बच्चों को', 'वहाँ से निकालकर', 'दूसरे कमरे में - आदि पद संज्ञा-शब्द के रूप हैं। इनका संबंध क्रमशः 'की थी', 'रहते थे', 'लेट जाते थे', 'बड़ी कमी थी', 'हो रहे थे', 'बैठाया' आदि क्रियाओं से सूचित हो रहा है। इसलिए ये शब्द कारक हैं।

**याद रखिए—** संज्ञा व सर्वनाम शब्दों का वाक्य के अन्य शब्दों से, क्रिया से संबंध बतानेवाले शब्द-रूपों को कारक कहते हैं ।

**साथ-साथ विभक्ति या परसर्ग को भी जानिए—**

ऊपर दिये गये वाक्यों में संज्ञाओं का क्रिया से संबंध बतानेके लिए कुछ चिह्नों जैसे— ने, में, के, को, पर, की, से आदि का प्रयोग किया गया है। इन चिह्नों को विभक्ति-चिह्न कहते हैं ।

याद रखिए— वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा को, कर्म, आदि में विभक्ति करनेवाले या कारकों का रूप प्रकट करने के लिए प्रयोग में आनेवाले शब्द-चिह्नों को विभक्ति कहते हैं ।

संज्ञा, सर्वनाम आदि शब्दों के बाद अर्थात् अंत में जुड़नेके कारण विभक्ति को ‘परसर्ग’ भी कहा जाता है । कभी-कभी कुछ वाक्यों में कुछ शब्दों के साथ विभक्ति का प्रयोग नहीं होता ।

जैसे – ‘ठाकुर साहब क्रोध से लाल हो रहे थे ।’

इस वाक्य में ‘ठाकुर साहब’ के बाद किसी विभक्ति या परसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है । ऐसे वाक्यों में शब्द-क्रम या अर्थ के आधार पर क्रिया से संज्ञा का संबंध स्पष्ट होता है ।

## 2. विभक्ति-संबंधी अशुद्धियों पर ध्यान दीजिए :

- संज्ञा शब्द के साथ विभक्ति का प्रयोग होने पर इसे अलग लिखा जाता है ।

जैसे— ‘ठाकुर साहब ने बाल-बच्चों को दूसरे कमरे में बैठाया’ ।

इस वाक्य में ‘ठाकुर साहब’, ‘बाल-बच्चों’ और ‘कमरे’ संज्ञा-शब्द हैं और इनके साथ प्रयुक्त क्रमशः ‘ने’, ‘की’ और ‘में’ आदि विभक्तियों का प्रयोग अलग हुआ है ।

- सर्वनाम के साथ विभक्ति का प्रयोग होने पर इसे मिलाकर लिखा जाता है

जैसे— ‘मैंने आपका क्या बिगाड़ा है’ ?

इस वाक्य में ‘मैं’ और ‘आप’ सर्वनाम-शब्द हैं । इनके साथ प्रयुक्त क्रमशः ‘ने’ और ‘का’ प्रयोग मिलकर हुआ है ।

- वाक्य में ‘ने’ के प्रयोग पर ध्यान देना आवश्यक है ।

जैसे— ‘मैंने कुछ का कुछ लिख दिया है ।’ ठीक है । पर यह कहना कि

‘मैं कुछ का कुछ लिख दिया हूँ’ गलत है ।

- कुछ जगह ‘ने’ के प्रयोग की आवश्यकता नहीं है ।

जैसे— ‘सब लोग खा-पीकर सोये’ । ठीक है ।

पर यह कहना कि ‘सब लोगों ने खा-पीकर सोये’ गलत है ।

- कभी-कभी 'ने' के प्रयोग को सही नहीं माना जाता ।

जैसे- 'उसने कटक जाना था' ।

यहाँ 'ने' का प्रयोग गलत है ।

अतः यह कहना ठीक होगा-

'उसे कटक जाना था' ।

- वाक्य में 'को' विभक्ति के प्रयोग पर ध्यान दें-

-वह अपने भाग्य को कोस रहा है । (सही)

-वह अपना भाग्य कोस रहा है । (गलत)

-पुस्तक लाओ । (सही)

-पुस्तक को लाओ । (गलत)

-सबको भगवान् की पूजा करनी चाहिए । (सही)

-सबको भगवान को पूजना चाहिए । (गलत)

-राम कहीं काम से गया है । (सही)

-राम कहीं काम को गया है । (गलत)

- वाक्य में 'से' विभक्ति के सही प्रयोग को समझें -

- राम देर से स्कूल जाता है । (सही)

राम देर को स्कूल जाता है । (गलत)

- इसी बहाने हम चले आये । (सही)

इसी बहाने से हम चले आये । (गलत)

- सबको नमस्ते कहियेगा । (सही)  
सबसे नमस्ते कहियेगा । (गलत)
- वह मुझ पर नाराज है । (सही)  
वह मुझ से नाराज है । (गलत)
- सीता साइकिल से कॉलेज आती है । (सही)  
सीता साइकिल में कॉलेज आती है । (गलत)
- वाक्य में 'में' विभक्ति का प्रयोग देखें -
  - राम दिन में एक बार भी नहीं मिला । (सही)  
राम दिन भर एक बार भी नहीं मिला । (गलत)
  - कल रात पण्डित जी को नींद नहीं आयी । (सही)  
कल रात में पण्डित जी को नींद नहीं आयी । (गलत)
  - परस्पर सहयोग होना चाहिए । (सही)  
परस्पर में सहयोग होना चाहिए । (गलत)
  - पक्षी पेड़ पर बैठा है । (सही)  
पक्षी पेड़ में बैठा है । (गलत)

### अभ्यास कार्य

1. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के कारक बताइए :

- (क) खुले मैदान में, रेत पर पड़े रहने के सिवा और कोई उपाय न था ।
- (ख) मुझे भी तुमसे मिल कर बड़ा आनन्द हुआ ।

(ग) मेरा परम सौभाग्य है कि आपकी कुछ सेवा करने का अवसर मिला ।

(घ) रेलगाड़ी की रगड़-झगड़ और चिकित्सालय की नोच-खसोट के सम्मुख  
कृपाशंकर की सहायता और शालीनता प्रकाशमय दिखायी देती थी ।

2. निम्नलिखित वाक्यों के खाली स्थानों को उपयुक्त परसर्गों से पूरा कीजिए :

(क) अब तक हाथ \_\_\_\_\_ चार पैसे होते, आराम \_\_\_\_\_ जीवन व्यतीत होता ।

(ख) मैं \_\_\_\_\_ तुम्हारे साथ रियायत \_\_\_\_\_ थी ।

(ग) आपने \_\_\_\_\_ सूरत न देखी होगी, पर आपके डंड \_\_\_\_\_ देखी है ।

(घ) खुले मैदान \_\_\_\_\_, रेत \_\_\_\_\_ खड़े थे ।

3. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए :-

पण्डित — बुरा —

मौजूद — अच्छा —

प्रभु — विनम्र —

शालीन — महान् —

4. रेखांकित पदों के संज्ञा- भेद लिखिए -

(क) जरा जबान सँभाल कर बातें कीजिए ।

(ख) इन दोनों दुष्टों ने उनका असबाब फेंक दिया ।

(ग) प्रत्येक स्टेशन पर कोयला-पानी ले लेते थे ।

(घ) लोगों की जान में जान आयी ।

(ङ) कृपाशंकर ने पण्डित जी के चरण छुए ।

(च) मेले-ठेले में एक फालतू आदमी से बड़े काम निकलते हैं ।